प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013–14
विषय – हिन्दी विशिष्ट
कक्षा – बारहवीं
सेट–ए

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न हेतु 2 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 17 से 19 तक प्रत्येक का उत्तर 30 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 3 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 20 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर 75 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
7. प्रश्न क्र. 28 का उत्तर लगभग 200 से 250 शब्दों में निर्धारित है इसके लिए (7+3) 10 अंक निर्धारित है। जिसमें अ में 7 अंक एवं ब में 3 अंक।

प्रश्न 1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों में से उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

1. मुकुटधार पाण्डेय के अनुसार प्रकृति में सूक्ष्म सत्ता का दर्शन ही.....है।
   (रहस्यवाद / प्रयोगवाद)
2. 'प्रताप' का प्रकाशन.....से होता था।
   (नागपुर / कानपुर)

3. .....को उपभाषा या क्षेत्रीय भाषा भी कहते है।

(भाषा / विभाषा)

4. उनको पुकारता हूँ कविता के रचयिता.....है।

(वीरेन्द्र मिश्र / आनन्द मिश्र)

5. आधुनिक प्रेमचंद.....को कहते है।

(जयशंकर प्रसाद / जैनेन्द्र कुमार)

प्रश्न 2. स्तंभ 'क' के लिए स्तंभ 'ख' से चुनकर सही जोड़ी बनाइए –

	क	**–**	**ख**
(1)	गद्य–पद्य मिश्रित रचना	–	मुहावरे
(2)	नई कविता और गीत की संकर सृष्टि	–	जीवनी
(3)	लक्षणा युक्त वाक्यांश	–	चम्पूकाव्य
(4)	कलम का सिपाही	–	नवगीत
(5)	गणेश शंकर विद्यार्थी	–	यात्रावृतांत

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों के लिये सही विकल्प चुनिए –

(1) कवि ने पनघट कहा है –

(अ) धरती को (ब) क्षितिज को

(स) आसमान को (द) बादल को

(2) मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि को लेकर लिखने वाले कथाकार है –

(अ) प्रेमचंद (ब) जयशंकर प्रसाद

(स) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' (द) जैनेन्द्र कुमार

(3) चित्त की उत्तेजना वृत्ति से संबंध होता है –

(अ) ओज गुण का (ब) माधुर्य गुण का

(स) प्रसाद गुण का (द) इनमें से किसी का नहीं

(4) नरेन्द्र कोहली के उपन्यास अंश, देवकी की कथा का आधार है –

(अ) राजनीतिक (ब) सामाजिक

(स) पौराणिक (द) ऐतिहासिक

(5) हिन्दी की लिपि है –

(अ) रोमन (ब) फारसी

(स) गुरूमुखी (द) देवनागरी

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों में सत्य/असत्य छांटिए –

1. 'नदी के द्वीप' नामक उपन्यास के रचनाकार अज्ञेय जी है।
2. कारागार में कंस वसुदेव देवकी से मिलने अकेला ही गया था।
3. बढ़ सिपाही कविता के रचनाकार श्रीकृष्ण सरल जी है।
4. काला अक्षर भैंस बराबर का अर्थ निरर्थक होता है।
5. करूण रस का स्थायीभाव शोक हैं।

प्रश्न 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :–

1. विस्तृत कलेवर वाले काव्य को क्या कहते हैं?
2. निमाड़ी लोक साहित्य के मर्मज्ञ पण्डित किसे कहा जाता है?
3. बसंत कौन सा भाव लेकर आता है?
4. तपोभूत शंकराचार्य ने शंकर भाष्य की रचना किस वृक्ष के नीचे किया था?
5. देश की संस्कृति एवं आदर्श का संबंध किस भाषा से है?

प्रश्न 6. माँ सरस्वती की वंदना कौन–कौन करता है?

अथवा

अपने को निर्दोष सिद्ध करने के लिए कृष्ण ने यशोदा को क्या–क्या तर्क दिए।

प्रश्न 7. एक ही वस्तु किसी को सुंदर और किसी को कुरूप नजर क्यों आती है?

अथवा

खगकुल कुल–कुल सा क्यों बोलने लगा?

प्रश्न 8. पार्वती और रूखी डाल के बीच कौन–कौन सी समानताए है? कोई दो समानता का उल्लेख करें।

अथवा

मिट्टी कुम्हार को क्या सीख देती है?

प्रश्न 9. कवि मिश्र ने देशवासियों के मिलजुलकर रहने पर अत्यधिक बल क्यों दिया है?

अथवा

नदी द्वीप को आकार किस प्रकार देती है?

प्रश्न 10. धरती और बसंत का आपस में क्या नाता है?

अथवा

विभावरी के बीतने पर ऊषा नागरी क्या कर रही है?

प्रश्न 11. भय और आशंका में क्या अंतर है? कोई दो अंतर लिखिए।

अथवा

उन दो पारंपरिक चीजों के नाम लिखिए जो गांव के जीवन से गायब हो रही है?

प्रश्न 12. लेखक ने अनुराग और लाल को समानार्थी क्यों बताया है?

अथवा

तात्या नरवर के राजा मानसिंह के संरक्षण में क्यों आए?

प्रश्न 13. सुरबाला की दृष्टि से परमात्मा कहां बिराजते है?

अथवा

यशोधरा मृत्यु को भी आकर्षक क्यों मान रही है?

प्रश्न 14. उत्तराखण्ड के अन्तर्गत कौन–कौन से तीर्थ है?

अथवा

कवि ने आयातित अंधकार किसे कहा है?

प्रश्न 15. राज भाषा की कोई दो विशेषताएं लिखिए।

अथवा

बोली और विभाषा में कोई दो प्रमुख अंतर लिखिए।

प्रश्न 16. वीर रस का एक उदाहरण लिखिए।

अथवा

विभावना अलंकार का उदाहरण लिखिए।

प्रश्न 17. माँ ने रामकुमार वर्मा को पढ़ाई के संबंध में क्या निर्देश दिए?

अथवा

गणेश शंकर विद्यार्थी जी के व्यक्तित्व की किन्हीं तीन विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 18. भाव पल्लवन कीजिए।

''धर्म पार्थक्य का नहीं एकता का घोतक है।''

अथवा

निम्नलिखित लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. जिसकी लाठी उसकी भैंस।

2. जैसी करनी वैसी भरनी।

3. न ऊधो का लेना न माधो का देना।

प्रश्न 19. महाकाव्य और खण्डकाव्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

छप्पय छंद का उदाहरण लिखिए।

प्रश्न 20. छायावादी काव्य की तीन विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए दो छायावादी कवियों के नाम उनकी एक–एक रचना के साथ लिखिए।

अथवा

नई कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए दो प्रमुख (नई कविता के) कवियों के नाम उनकी एक–एक रचनाओं के साथ लिखिए।

प्रश्न 21. नाटक और एकांकी में अंतर स्पष्ट करते हुए दो प्रमुख नाटककारों के नाम लिखिए।

अथवा

संस्मरण और रेखाचित्र में चार अंतर लिखिए।

प्रश्न 22. कबीरदास जी अथवा मैथिलीशरण गुप्त जी का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए–

(1) दो रचनाएं (2) भाव पक्ष (3) कलापक्ष (4) साहित्य में स्थान।

प्रश्न 23. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अथवा जैनेन्द्र कुमार जी का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए –

(1) चार रचनाएं (2) भाषा शैली (3) साहित्य में स्थान।

प्रश्न 24. निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

समै समै सुंदर सबै, रूप कुरूप न कोय।
मन की रूचि जेती जितै, तिन तेती रूचि होय।।
बड़े न हूजे गुननि बिन, बिरद बड़ाई पाय।
कहत धतूरे सो कनक गहनों गढ़ौ न जाय।।

अथवा

हम अनेकता में भी तो है एक ही,
हर झगड़े में जीता सदा विवेक ही,
कृति, आकृति, संस्कृति भाषा के वास्ते
बने हुए है मिलते जुलते रास्ते,
आस्थाओं की टकराहट से लाभ क्या?
मंजिल को हम देंगे भला जवाब क्या?

प्रश्न 25. निम्नांकित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

दुःख या आपत्ति का पूर्ण निश्चय न रहने पर उसकी संभावना मात्र के अनुमान से जो आवेग शून्य भय होता है, उसे आशंका कहते है। उससे वैसी आकुलता नहीं होती। उसका संचार कुछ धीमा, पर अधिक काल तक रहता है।

अथवा

मौन–मुक्ध संध्या स्मित प्रकाश से हंस रही थी। उस समय गंगा के निर्जन बालुका स्थल पर एक बालक और बालिका अपने को और सारे विश्व को भूलकर गंगा तट के बालू और पानी को अपना एकमात्र आत्मीय बना, उसमें खिलवाड़ कर रहे थे।

प्रश्न 26. निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

''आदर्श व्यक्ति कर्मशीलता में ही अपने जीवन की सफलता समझता है। जीवन के प्रत्येक क्षण में वह कार्यरत रहता है। विश्राम समय रहता है। शेष समय राष्ट्र

एवं समाज के प्रति समर्पित रहता है। कर्मशील व्यक्ति हाथ पर हाथ धरकर बैठने को मृत्यु से भी बुरा समझता है। उसमें कर्म करने की लगन और उत्साह अत्यधिक मात्रा में होती है। धैर्य के बल पर वह बडे–बड़े पर्वतों को खोदकर ढहा देता है। कंटकाकीर्ण राह पर चलने में वह संतोष अनुभव करता है। वह दुख और सुख को समान समझता हुआ परिस्थितियों को अपना दास बना लेता है।

प्रश्न 1. उपर्युक्त अवरण का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2. कर्मशील और मृत्यु का विलोम शब्द लिखिए।

प्रश्न 3. मनुष्य किसके बल पर बड़े–बड़े पहाड़ों को खोदकर ढहा देता है?

प्रश्न 4. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लगभग 30 शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 27. शाला शुल्क मुक्ति हेतु विद्यालय के प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

अध्ययन की जानकारी देते हुए पिताजी को पत्र लिखिए।

प्रश्न 28. (अ) निम्नांकित में से किसी एक विषय पर लगभग 200–250 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. प्रदूषण – कारण और निदान।
2. राष्ट्रीय एकता और अखण्डता।
3. कम्प्यूटरः आज के जीवन की आवश्यकता।
4. नारी शक्ति।
5. जल ही जीवन है।

(ब) उपरोक्त शेष निबंधों में से किसी एक निबंध की रूपरेखा लिखिए।

– – – – – –

आदर्श उत्तर

विषय – हिन्दी विशिष्ट

कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. रहस्यवाद।
2. कानुपर।
3. विभाषा।
4. आनन्द्र मिश्र।
5. जैनेन्द्र कुमार।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. सही जोडियां बनाइये–

	क	**–**	**ख**
(1)	गद्य–पद्य मिश्रित रचना	–	चम्पूकाव्य
(2)	नई कविता और गीत की संकर सृष्टि	–	नवगीत
(3)	लक्षणा युक्त वाक्यांश	–	मुहावरे
(4)	कलम का सिपाही	–	जीवनी
(5)	गणेश शंकर विद्यार्थी	–	संस्मरण

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. आसमान को

2. जैनेन्द्र कुमार
3. ओज गुण का
4. पौराणिक
5. देवनागरी

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. सत्य/असत्य छांटिये –

(1) सत्य।

(2) असत्य।

(3) असत्य।

(4) असत्य।

(5) सत्य।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए –

1. विस्तृत कलेवर वाले काव्य को महाकाव्य कहते है।
2. निमाड़ी लोक साहित्य के मर्मज्ञ पण्डित, पं. रामनारायण उपाध्याय जी को कहा जाता है।
3. बसंत उत्कर्ष एवं प्रसन्नता का भाव लेकर आता है।
4. तपोभूत शंकराचार्य ने शंकर भाष्य की रचना शहतूत के वृक्ष के नीचे की थी।
5. देश की संस्कृति एवं आदर्श का संबंध राष्ट्रभाषा से है।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. माँ सरस्वती की वंदना समस्त देवगण, ऋषिगण, सिद्ध तपस्वी, तीनों काल के ज्ञात माँ सरस्वती के पति ब्रह्माजी उनके पुत्र शंकर जी तथा नाती कार्तिकेय जी कर रहे है।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अपने को निर्दोष सिद्ध करने के लिए कृष्ण ने निम्नलखित तर्क दिए –

1. मैंने दही नहीं खाया है, बल्कि ग्वाल–बालों ने मेरे मुंह पर लपेट दिया है।
2. मेरे छोटे–छोटे हाथ है, जो ऊंचे छींके तक नहीं पहुंच सकते।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. सुंदरता और कुरूपता का संबंध हमारे मन की रूचि पर निर्भर है। हमारा मन जिसे पसंद करता है वह सुंदर है जिसे नापसंद करता है वह कुरूप है।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पक्षियों का समूह भोर की किरणों के साथ अति प्रसन्न हो आसमान में उड़ते हुए मधुर गीत गाने लगते है। अर्थात प्रभात होते ही खगकुल कुलकुल सा बोलने लगा।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8.

1. शिव को पाने के लिए तपस्यारत पार्वती ने पत्तों तक का परित्याग कर दिया था। पतझड़ के कारण सूखी डाली भी पत्तो से रहित हो गई है।
2. तपस्या के बाद पार्वती ने शिव का वरण किया और सूखी डाली बसंत का वरण करेगी।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मिट्टी कुम्हार को शिक्षा देती हुई कहती है कि आज तू मुझे रौंद रहा है लेकिन जब तू स्वयं मिट्टी में मिल जाएगा तब मैं तुझे रौंदूंगी।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. कवि मिश्र ने देशवासियों के मिल जुलकर रहने पर अत्यधिक बल इसलिए दिया है क्योंकि जिस देश में जितनी अधिक एकता होगी, वह देश उतना ही उन्नत एवं विकसित होगा।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

नदी समाज का प्रतीक है, द्वीप व्यक्ति का। जिस प्रकार नदी अपने किनारों को काट–छांटकर सही आकार देती है, उसी प्रकार समाज व्यक्ति को संस्कारवान बनाता है।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. धरती और बसंत का आपस में मानवता का नाता है। धरती यदि मानव है तो मानवता बसंत है।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

विभावरी अर्थात रात्रि के बीतने पर ऊषा रूपी नायिका अम्बर रूपी पनघट में तारे रूपी जड़ों को डुबो रही है।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. आनेवाली मुसीबत की भावना या दुख के कारण जो आवेगपूर्ण स्तंभकारक मनोभाव पैदा होता हे, उसे भय कहते है। दूसरी ओर दुख या आपत्ति का पूर्ण निश्चय न रहने पर संभावना मात्र से जो आवेग शून्य भय उत्पन्न होता है, उसे आशंका कहते है।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गांव के जीवन से अनेक पारम्परिक चीजें गायब हो रही है जैसे–

1. टिमटिमाते दीयों की रोशनी के स्थान पर विद्युत बल्ब है।
2. हलों के साथ टिप्पे की टिटकारें समाप्त हो गई है।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. अनुराग का अर्थ है–प्रेम। प्रेम अमूर्त है परंतु अपनी मोहकता और भावना से सबको आनन्दित करता है। इसलिए लेखक ने अनुराग और लाल को समानार्थी कहा है।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मानसिंह तात्या के विश्वसनीय मित्र थे, एक वर्ष से दौड़ते–भागते थक गए थे एवं उनका स्वास्थ्य भी क्षीण हो चुका था। इस कारण वे मानसिंह के संरक्षण में आए।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. सुरबाला की दृष्टि में परमात्मा उसके द्वारा बनाए गए बालू के भाड़ की सुंदरता के जादू में विराजते हैं।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

प्रिय–वियोग की व्यथा सहते–सहते कभी–कभी यशोधरा मृत्यु को आकर्षक मानने लगती है। क्योंकि पति–वियोग का उसका दुःख किसी भी अवस्था में कम नहीं होता।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. उत्तराखण्ड के अन्तर्गत हिन्दुओं के पवित्र चार धाम तीर्थ– यमुनोत्तरी, गंगोत्तरी, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ है।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

आयातित अंधकार से कवि का आशय तथाकथित आधुनिकता, विलासिता की वस्तुओं को प्राप्त करने के लिए पश्चिमी सभ्यता संस्कृति का अंधानुकरण करने से है।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. राजभाषा की दो विशेषताएं निम्नलिखित है –

1. राजभाषा सरकारी कामकाज की भाषा है।
2. शिक्षा का माध्यम, कार्य के निर्णय, रेडियों और दूरदर्शन में राज भाषा का प्रयोग होना चाहिए।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बोली और विभाषा में दो प्रमुख अंतर निम्नलिखित है –

1. बोली किसी भाषा की सीमित एवं क्षेत्रीय रूप में प्रयुक्त होने वाली भाषा है जबकि विभाषा प्रदेश के एक भाग में सामान्य बोलचाल, साहित्य आदि के लिए प्रयोग होने वाली भाषा है।

2. बोली को लोक भाषा भी कहते है। विभाषा को उपभाषा या क्षेत्रीय भाषा कहते है।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. वीर रस का उदारहण –

''सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने भृकुटी तानी थी।
बूढ़े भार में भी आई, फिर से नई जवानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी।''

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

विभावना अलंकार का उदाहरण –

''बिनु पद चलै, सुने विधि काना,
कर बिनु करम करै विधि नाना,
आनन रहित सकल रस भोगी,
बिनु पानी बकता बड़ जोगी।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. डॉ. रामकुमार वर्मा की मां अपने बच्चे में शिक्षा के उच्च संस्कार प्रदान करना चाहती थी। पढ़ाई के संबंध में निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा था– पढ़ाई में पहले दर्जे का ध्यान रखना चाहिए। अपने लक्ष्य के प्रति उसी एकाग्रता एवं समर्पण के साथ प्रयत्नशील रहना चाहिए जिस प्रकार महाभारत काल में अर्जुन ने चिड़िया की केवल आंख पर अपना ध्यान रखा था।

उपरोक्त सही उत्तर पर 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गणेश शंकर विद्यार्थी के व्यक्तित्व की तीन विशेषताए निम्नलिखित है –

1. विद्यार्थी जी महान देशभक्त एवं समाज परिवर्तक थे। वे अपने पत्र के माध्यम से देशभक्ति से संबंधित लेख एवं कविताओं के द्वारा जनमानस को आन्दोलित करने में मुख्य भूमिका निभाते थे।
2. गणेश शंकर विद्यार्थी कुशल राजनीतिज्ञ एवं उच्चकोटि के साहित्यकार थे। वे कानपुर शहर के राजनीतिक जीवन के प्राण थे। देशभर के साहित्यकारों के मध्य उनका नाम सम्मानीय था।
3. गणेश शंकर विद्यार्थी में बला की प्राण शक्ति थी। प्रताप के संपादन एवं संचालन के साथ–साथ क्रांतिकारियों की जी–तोड़ सहायता करना विविध आंदोलनों में भाग लेकर जेल जाना, मजदूरों की सहायता करना इत्यादि उनकी अद्‌भुत प्राण शक्ति के प्रमाण थे।

उपरोक्त सही उत्तर पर 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. किसी भी धर्म में पृथकता या अलगाव की भावना नहीं है। प्रत्येक धर्म प्रेम, सद्‌भाव, मैत्री एकता और अहिंसा का संदेश देता है। भिन्न–भिन्न मतों के रास्ते सर्वव्यापक ईश्वर तक पहुंचने का साधन धर्म है। अलग–अलग होते हुए भी सभी धर्मों का सार एक है जो हमें तोड़ने का नहीं बल्कि जोड़ने का संदेश देता है। अतः धर्म पार्थक्य का नही एकता का घोतक है।

उपरोक्त सही उत्तर पर 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

लोकोक्तियां –

1. जिसकी लाठी उसकी भैस – बलवान ही अधिकार जताता है

प्रयोग– कई क्षेत्रों में अराजक तत्वों का बोलबाला है, जनता मजबूर है क्योंकि जिसकी लाठी उसकी भैंस जो है।

2. जैसी करनी वैसी भरनी – कर्म के अनुसार फल प्राप्त होता है।
   प्रयोग– आलसी व्यक्ति को कुछ भी प्राप्त नहीं होता इसलिए कहा जाता है कि जैसी करनी वैसी भरनी।
3. ऊधो का लेना न माधो का देना – किसी से कोई मतलब नहीं रखना।
   प्रयोग– इस षड्यंत्र में श्याम का कोई हाथ नहीं है। क्योंकि उसे न ऊधो का लेना है न माधो का देना है।

उपरोक्त सही उत्तर पर 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. महाकाव्य और खण्डकाव्य में अंतर –

1. महाकाव्य में संपूर्ण जीवन का चित्रण होता है। जबकि खण्ड काव्य में खण्ड जीवन का चित्रण होता है।
2. महाकाव्य का आकार दीर्घ होता है परंतु खण्ड काव्य का आकार लघु होता है।
3. महाकाव्य में उदात्त शिल्प होता है, परंतु खण्डकाव्य में यह अनिवार्य नहीं है।

उपरोक्त सही उत्तर पर 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

छप्पय छन्द विषम मांत्रिक और संयुक्त छन्द है। इसमें छः चरण होते है प्रथम चार चरण रोला के जिसमें 11, 13 मात्राएं तथा दो चरण उल्लाला के जिसमें 15, 13 मात्राएं होती है। (2+3=5 अंक)

उदाहरण :– जहां स्वतंत्र विचार न बदले मन में मुख में,
जहां न बाधक बनें सबल निबलों के सुख में।
सबको जहां समान निजोन्नति के अवसर हो,

शांतिदायिनी निशा, हर्ष सूचक वासर हो।
सब भांति सुशासित हों जहां समता के सुखकर नियम।
बस उसी स्वशासित देश में जागें हे जगदीश हम।।

उपरोक्त सही उत्तर पर 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. छायावाद की विशेषताएं –

1. स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह ही छायावाद है।
2. आशा, निराशा, पीड़ा, अवसाद और व्यक्तिपरता की प्रधानता।
3. स्वछंद कल्पना।
4. लाक्षणिक प्रयोग।
5. प्रकृति का मानवीकरण।

कवि		**रचना**
1. जयशंकर प्रसाद	–	कामायनी, झरना।
2. महादेवी वर्मा	–	संध्यगीत, नीरजा।

उपरोक्त सही उत्तर पर 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

नई कविता की विशेषताएं :–

1. लघु मानववाद की प्रतिष्ठा :– मानव जीवन को महत्वपूर्ण मानकर उसे अर्थपूर्ण दृष्टि प्रदान की गई।
2. क्षणवाद को महत्व :– जीवन के प्रत्येक क्षण को महत्वपूर्ण मानकर जीवन की एक–एक अनुभूति को कविता में स्थान प्रदान किया गया है।
3. अनुभूतियों का वास्तविक चित्रण :– मानव व समाज दोनों की अनुभूतियों का सच्चाई के साथ चित्रण किया गया है।
4. बिम्ब योजना :– नई कविता के कवियों ने नूतन बिम्बों की खोज की है।

कवि		**रचना**
1. भवानी प्रसाद मिश्र	–	गीत–फरोश, सन्नाटा
2. दुष्यंत कुमार	–	साए में धूप, सूर्य का स्वागत

उपरोक्त सही उत्तर पर 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. एकांकी और नाटक में अंतर :–

क्र.	**एकांकी**	**नाटक**
1	एकांकी में एक ही अंक होता है।	नाटक में अनेक अंक होते है।
2	एकांकी में एक ही मुख्य कथा होती है।	नाटक में मुख्य कथा के साथ प्रासंगिक कथा भी होती है।
3	एकांकी का एक ही उद्देश्य होता है।	नाटक में कई उद्देश्य हो सकते है।
4	एकांकी में पात्रों की संख्या सीमित होती है।	नाटक में पात्रों की संख्या अधिक होती है।

नाटककारों के नाम		**रचनाएं**
1. भारतेन्दु हरिशचंद्र	–	अंधेर नगर, भारत दुर्दशा
2. जयशंकर प्रसाद	–	चन्द्रगुप्त, आजातशत्रु।

उपरोक्त सही अंतर पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

रेखा चित्र और संस्मरण में अंतर –

रेखा चित्र	**–**	**संस्मरण**
1. कल्पना की प्रधानता रहती है		1. यथार्थ की प्रधानता रहती है।
2. रेखा चित्र के विषय विविध होते है।		2. संस्मरण का विषय कोई विशेष

	व्यक्ति या विशेष घटना ही होती है
3. शैली चित्रात्मक होती है।	3. शैली विवरणात्मक होती है।
4. विषय प्रधान होता है।	4. विषयी प्रधान होता है।

उपरोक्त सही अंतर पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. **साहित्य परिचय – कबीर दास**

1. **रचनाएं** : साखी, सबद, रमैनी (बीजक)
2. **भाव पक्ष** : कबीरदासजी को हिन्दी काव्य में रहस्यवाद का जन्मदाता कहा जाता है। भक्तिकाल की निर्गुण ज्ञानमार्गी शाखा के प्रतिनिधि कवि कबीर ने सामाजिक विकारों को दूर करने का भरसक प्रयास किया। अंध विश्वास, छूआछूत, वर्ग भेद, जात, पांत आदि का विरोध करते हुए समता मूलक समाज की अवधारणा को पुष्ट करने का प्रयास किया। भाषा सीधी सरल, व्यवहारिक हैं। अरबी, फारसी, राजस्थानी, ब्रज भाषा के शब्दों का प्रयोग किया है। आपने रूपक, अनुप्रास, उपमा अलंकारों का स्वाभाविक रूप से प्रयोग किया है। प्रतीक, बिम्ब तथा अन्योक्ति अद्‌भूत है।
3. **कला पक्ष** : अकृत्रिम भाशा, सहज निर्द्वन्द्व शैली, अलंकार, छंद।
4. **साहित्य में स्थान :–** निर्गुण काव्य परम्परा में ज्ञानमार्गी शाखा के श्रेष्ठ कवि सामाजिक समरसता से सृष्टा, सामाजिक रूढ़ियों का विरोध करने वाले नवक्रांति के दृष्टा संत कबीर का हिन्दी साहित्य में अविस्मरणीय स्थान है।

(1+1+1+1=4 अंक)

अथवा

साहित्य परिचय – मैथिलीशरण गुप्त

1. **रचनाएं** : साकेत, पंचवटी, यशोधरा।
2. **भाव एवं कला पक्ष** : गुप्त जी राष्ट्रीय भावधारा के अग्रगण्य कवि है। आपका काव्य रामभक्ति और राष्ट्रभक्ति का अनूठा संगम है। आपकी रचनाओं में

मानवतावादी अभिव्यक्ति एवं नारी सम्मान का अनूठा संगम है। आपने नारी के विविध रूपों का चित्रण कर नारीत्व की उदात्त प्रतिष्ठा स्थापित की है। गुप्त जी का भाव पक्ष जितना ह्रदय स्पर्शी है कलापक्ष भी उतना ही सशक्त है। आपने खड़ी बोली का सजीव व्याकरणिक प्रयोग किया है। आपके काव्य में रस, छंद एवं अलंकारों का सफल प्रयोग हुआ है। ओज, प्रसाद एवं माधुर्य की पावन त्रिवेणी आपके काव्य में प्रवाहित है।

3. **साहित्य में स्थान** :– भारतीय जनमानस में राष्ट्रीयता के भाव जागृत करने वाले कलमकारों में गुप्त जी का स्थान सर्वश्रेष्ठ है। संस्कृति की पुर्नस्थापना ने आपको राष्ट्र कवि के आसन पर आसीन कर दिया।

(1+1+1+1=4 अंक)

उत्तर 23. **लेखक परिचय** – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

1. **रचनाएं** :– हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिन्दी काव्य में रहस्यवाद, रस मीमांसा, चिन्तामणि, बुद्धचरित।
2. **भाषा शैली** :– साहित्यिक दृष्टि से आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की भाषा अत्यंत परिष्कृत एवं संस्कृतनिष्ठ है। उर्दू, फारसी के शब्दों का स्वाभाविक प्रयोग हुआ है। मुहावरों, लोकोक्तियों के प्रयोग आपकी अभिव्यक्ति को और अधिक प्रभावी बना देते है। शुक्ल जी अपनी शैली के स्वयं निर्माता है। उनकी शैली समास से प्रारंभ होकर व्यास शैली के रूप में समाप्त होती है। मुख्य रूप से आपने समीक्षात्मक, गवेषणात्मक, भावात्मक व व्यंग्य प्रधान शैली का प्रयोग किया है।
3. **साहित्य में स्थान** :– आचार्य शुक्ल युग प्रवर्तक निबंधकार के रूप में सदैव स्मरणीय रहेंगे। उन्होंने हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखकर अमरत्व प्राप्त किया है। मनोवैज्ञानिक विषयों पर लिखे गए उनके निबंध साहित्य की अमूल्य धरोहर है।

(1+2+1=4 अंक)

अथवा

लेखक परिचय – जैनेन्द्र कुमार

1. **रचनाएं :–** कल्याणी, परख, सुनीता (उपन्यास), दो चिड़िया, पाजेब (कथा संग्रह)।
2. **भाषा शैली :–** जैनेन्द्र जी की भाषा अत्यंत सधी दिखाई देती है। छोटे–छोटे संवादों द्वारा कथा को आगे बढ़ना एवं कथोपकथन द्वारा कहानी में प्राण फूंकना जैनेन्द्र जी की सफल अभिव्यक्ति है। खड़ी बोली हिन्दी के साथ उर्दू एवं अंग्रेजी का सफल प्रयोग हुआ है। मुहावरे एवं लोकोक्तियों के सफल प्रयोग ने भाषा को नवीनता प्रदान की है। जैनेन्द्र कुमार मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि को लेकर लिखने वाले कथाकार है। आपकी सरल सुबोध अभिव्यक्ति कौशल कथा को मार्मिक और प्रभावपूर्ण बनाते है। आपके साहित्य में विवेचनात्मक, भावात्मक एवं व्यास शैली के दर्शन होते है।
3. **साहित्य में स्थान :–** आधुनिक प्रेमचन्द्र के नाम से विख्यात कहानी कला में चरित्र सृष्टि के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले तथा मनोवैज्ञानिक ग्रंथियों पर कलम चलाने वाले कथाकारों में आप शीर्षस्थ है।

(1+2+1=4 अंक)

उत्तर 24. पद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत दोहा छंद हमारी पाठय पुस्तक 'स्वाति' के नीति काव्य के अन्तर्गत दोहे शीर्षक से अवतरित है। इसके कवि रीति सिद्ध बिहारी लाल जी है।

प्रसंगः– कवि ने प्रथम दोहे में मनुष्य की रूचि एवं द्वितीय दोहे में गुण के महत्व को प्रतिपादित किया है।

व्याख्याः– बिहारी जी कहते है कि समय पर ही सब कुछ अच्छा लगता है, संसार में कोई वस्तु सुंदर अथवा कुरूप नहीं होती। हमारा मन जिसको भी पसंद कर लेता है जो हमारे मन को रूचिकर लगता है वह सुंदर है। कवि

कहते है कि बिना गुणों के सिर्फ नाम से कोई यश प्राप्त नहीं कर सकता। जिस प्रकार धतूरे को कनक (सोना) कहते है, लेकिन उससे गहना नहीं गढ़ा जा सकता। अर्थात बिना गुणों के कोई महान नहीं बन सकता।

विशेषः– भाषा–ब्रज, अलंकार– दृष्टांत, अनुप्रास काव्य, गुण– प्रसाद।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–1, विशेष–1 कुल 4 अंक)

अथवा

पद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत पद्यांश समर्थ नवगीतकार वीरेन्द्र मिश्र द्वारा रचित 'भारत माता की जय बोल दो' नामक नवगीत से अवतरित है।

प्रसंगः– उक्त गीतांश में गीतकार ने भारत माता को निरंतर विजयी बनाने का उद्‌घोष किया है।

व्याख्याः– मिश्र जी कहते है कि अनेकता में एकता भारतीय संस्कृति की विलक्षण विशेषता रही है। हम अपने आपसी विवाद सदा विवेकपूर्ण तरीके से सुलझाते आए है। देश में रहने वाले विभिन्न जाति, धर्म, परम्परा और भाषा के माध्यम से हमारे अलग–अलग रास्ते जरूर है परंतु हम सब भारतीय है, इस भावना ने हमें एक बनाकर रखा है। अतः हमें आपस में मिलजुलकर रहना चाहिए। सभी का आदर करना चाहिए। आस्थाओं के नाम पर टकराकर हम स्वयं अपनी क्षति करते है। हम सब भारत माता के सपूत हैं, अतः आपस में टकराकर भारत माता को क्या जवाब देंगे? हमारी राष्ट्रीय एकता खण्डित हो जाएगी। हमें मिलजुलकर रहना चाहिए।

विशेषः– वीर रस, खड़ी बोली, गेयपद एवं ओज गुण की छटा दर्शनीय है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–1, विशेष–1 कुल 4 अंक)

उत्तर 25. गद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत गद्यांश आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी द्वारा रचित भय पाठ से अवतरित है।

प्रसंग :– प्रस्तुत अवतरण में निबंधकार ने आशंका की उत्पत्ति के संबंध में बताया है।

व्याख्या :– भय के समान मानव के मन में एक अन्य मनोविकार की उत्पत्ति होती है, जिसे आशंका कहा जाता है। आशंका के माध्यम से भविष्य में आने वाले दुख या पीड़ा की काल्पनिक अनुभूति होती है। इसमें भय की तरह आवेग, बेचैनी या पीड़ा नहीं होती परंतु घबराहट एवं व्याकुलता होती है। जिसकी अवधि लम्बी होती है। अर्थात आशंका लम्बे समय तक बनी रहती है। इसमें दुख या आपत्ति की संभावना रहती है। एक अज्ञात भय उस आपत्ति के प्रति बना रहता है। परंतु आपत्ति आएगी ही ऐसा निश्चय नहीं रहता। अर्थात आशंका भय का लघु रूप है।

विशेष :– व्यास शैली, खड़ी बोली एवं आशंका नामक मनोविकार की विवेचना की गई है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–1, विशेष–1 कुल 4 अंक)

अथवा

गद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत गद्यांश हिन्दी साहित्य के शीर्षस्थ कथाकार जैनेन्द्र कुमार द्वारा रचित खेल नामक कहानी से अवतरित है।

प्रसंगः– प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच बाल चरित्र का जीवंत चित्रण किया है।

व्याख्याः– लेखक कहते है कि संध्या के समय मंद प्रकाश से युक्त मौन शांत संध्या मानो स्नेहसिक्त नायिका की तरह मुस्करा रही हो। उस समय गंगा का तट निर्जन और शांत था, जिसमें एक बालक और बालिका रेत पर बैठकर

संसार से बेखबर हो, रेत का भाड़ बनाने में मस्त थे। उस समय उनके लिए गंगा की यह रेत ही मानो सब कुछ थी। वे सब कुछ भूलकर बड़े आत्मीय भाव से रेत और पानी मिलाकर भाड़ बनाने में व्यस्त थे। उनकी यह बाल सुलभ लीला आहलादकारी थी।

विशेषः– प्रकृति का मानवीकरण दर्शनीय है। शैली चित्रात्मक एवं भाषा साहित्यिक खड़ी बोली है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–1, विशेष–1 कुल 4 अंक)

उत्तर 26. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. शीर्षक – कर्मशीलता अथवा व्यक्ति और कर्म।

उत्तर 2. अकर्मण्य, जन्म।

उत्तर 3. मनुष्य धैर्य के बल पर बड़े–बड़े पहाड़ों को खोदकर ढहा देता है।

उत्तर 4. आदर्श व्यक्ति कर्मशीलता में ही अपने जीवन की सफलता समझता है। कर्मशील व्यक्ति हाथ पर हाथ धरकर बैठने को मृत्यु से भी बुरा समझता है। वह लगन और उत्साह के साथ कार्य करता है।

(1+1+1+2 कुल 5 अंक)

उत्तर 27. **<u>शाला शुल्क मुक्ति हेतु आवेदन पत्र</u>**

प्रति,

प्राचार्य महोदय,

शा.उ.मा.वि.

भोपाल (म.प्र.)।

विषयः– शाला शुल्क मुक्ति हेतु आवेदन पत्र।

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि मेरे पिताजी की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इस कारण मैं विद्यालय का शिक्षण शुल्क जमा करने में असमर्थ हूँ।

अतः श्रीमान से निवेदन है कि मुझे शिक्षण शुल्क से मुक्त करने की कृपा करें, ताकि मैं निश्चिन्त होकर अध्ययन में मन लगा सकूं। आशा है मेरी आर्थिक स्थिति को देखते हुए मुझे सहयोग प्रदान करेंगे।

धन्यवाद।

आवेदक

दिनांक

राजेश कुमार त्यागी
पिता श्री मनमोहन त्यागी
कक्षा– XII वर्ग 'ब'

संबोधन–1 अंक, विषय–1 अंक, विषयवस्तु–1 अंक, प्रेषक–1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अध्ययन की जानकारी देते हुए पिताजी को पत्र

26, मल्हार गंज, इन्दौर
दिनांक.....

पूजनीय पिताजी,

सादर चरण स्पर्श।

मैं यहां कुशलता पूर्वक हूँ। आशा करता हूँ आप भी वहां सकुशल होंगे। आपका पत्र मिला। आपने मेरी पढ़ाई के बारे में चिन्ता व्यक्त की है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मेरी पढ़ाई बहुत अच्छी चल रही है। अर्द्धवार्षिक परीक्षा में भी मैंने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है तथा आगे की तैयारी भी बहुत

अच्छी चल रही है। आप किसी भी प्रकार की चिन्ता न करें एवं अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

पूज्य माताजी को चरण स्पर्श कहियेगा। बंटी और रिंकी को स्नेह।

आपका बेटा

मयंक शर्मा

पताः–

सेवा में –

श्री मोहनलाल जी शर्मा

ग्राम– घोंसला

जिला– उज्जैन (म.प्र.)

संबोधन–1 अंक, विषय–1 अंक, विषयवस्तु–1 अंक, प्रेषक–1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 28. **(अ) निबंध लेखन–**

कम्प्यूटर : आज के जीवन की आवश्यकता

प्रस्तावनाः– वर्तमान युग कम्प्यूटर युग है। यदि भारत वर्ष पर नजर दौड़ाकर देखे तो हम पाएंगे कि आज जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में कम्प्यूटर का प्रवेश हो गया है। बैंक, रेल्वे–स्टेशन, हवाई–अड्डे, डाक खाने बड़े–बड़े उद्योग कारखाने व्यवसाय हिसाब–किताब, रूपये गिनने तक की मशीनें कंप्यूटरीकृत हो गई है। अब भी यह कंप्यूटर का प्रारंभिक प्रयोग है। आने वाला समय इसके विस्तृत फैलाव का संकेत दे रहा है।

कम्प्यूटर आज की जरूरत :– प्रश्न उठता है कि क्या कंप्यूटर आज की जरूरत है? क्या इसके बिना काम नहीं चल सकता है? इसका उत्तर है– कम्प्यूटर जीवन की मूलभूत अनिवार्य वस्तु तो नहीं है, किन्तु इसके बिना आज की दुनिया अधूरी जान पड़ती है। सांसारिक गतिविधियों परिवहन और संचार

उपकरणों आदि का ऐसा विस्तार हो गया है कि उन्हें सुचारू रूप से चलाना अत्यंत कठिन होता जा रहा है। पहले मनुष्य जीवन भर में अगर 100 लोगों के संपर्क में आता था तो आज वह 2000 लोगों के संपर्क में आता है। पहले वह दिन में 5–10 लोगों से मिलता था तो आज 50–100 लोगों से मिलता है। पहले वह दिन में काम करता था तो आज राते भी व्यस्त रहती है। आज व्यक्ति के संपर्क बढ़ रहे है, व्यापार बढ़ रहे है, गतिविधियां बढ़ रही है, आकांक्षाएं बढ़ रही है, साधन बढ़ रहे है।

"यहां सतत् संघर्ष विफलता कोलाहल का राज है।
अंधकार में दौड़ लग रही है, मतवाला यह सब समाज है।।"

सुव्यवस्था लाने में सहयोग :– इस अनियंत्रित गति को सुव्यवस्था देने की समस्या आज की प्रमुख समस्या है कहते है आवश्यकता आविष्कार की जननी है। इस आवश्यकता ने अपने अनुसार निदान ढूंढ़ लिया है। कंप्यूटर एक ऐसी स्वचलित प्रणाली है जो कैसी भी अव्यवस्था को व्यवस्था में बदल सकती है। हड़बड़ी में होने वाली मानवीय भूलों के लिए कंप्यूटर राम बाण औषधि है। क्रिकेट के मैदान में अंपायर की निर्णायक भूमिका हो या लाखों करोड़ों अरबों की लंबी–लंबी गणनाएं कंप्यूटर पलक झपकते ही आपकी समस्या हल कर सकता है। पहले इन कामों को करने वाले कर्मचारी हड़बड़ाकर काम करते थे, एक भूल से घबड़ाकर और अधिक गड़बड़ी करते थे। परिणामस्वरूप काम कम, तनाव अधिक होता था। अब कम्प्यूटर की सहायता से काफी सुविधा हो गई है।

ज्ञान का भंडार :– कंप्यूटर ने फाइलों की आवश्यकता कम कर दी है। कार्यालय की सारी गतिविधियां फ्लौपी में बंद हो जाती है इसलिए स्टोरों की जरूरत अब नहीं रही। अब समाचार पत्र भी इंटरनेट के माध्यम से पढ़ने की व्यवस्था हो गई है। विश्व के किसी कोने में छपी पुस्तक, फिल्म घटना की जानकारी इंटरनेट पर ही उपलब्ध है। एक समय था जब कहते थे कि विज्ञान ने संसार को कुटुंब बना दिया है। कंप्यूटर ने तो मानों उस कुटुम्ब को आपके कमरे में उपलब्ध करा दिया है। संभव है कंप्यूटर की सहायता से आप मनचाहे

सवाल का जवाब दूरदर्शन या इंटरनेट से ले पाएंगे। शारीरिक रूप से नहीं काल्पनिक रूप से जिस मौसम का, जिस प्रदेश का आनंद उठाना चाहे उठा सकते है।

उपसंहार :– आज टेलीफोन, रेल, फ्रिज, वाशिंगमशीन आदि उपकरणों के बिना नागरिक जीवन जीना कठिन हो गया है। इन सबके निर्माण या संचालन में कंप्यूटर का योगदान महत्वपूर्ण है। रक्षा उपकरणों, हजारों मील की दूरी पर सटीक निशाना बांधने, सूक्ष्म से सूक्ष्म वस्तुओं को खोजने में कंप्यूटर का अपना महत्व है। आज कंप्यूटर ने मानव जीवन को सुविधा, सुव्यवस्था और सटीकता प्रदान की है। अतः आज जीवन में कंप्यूटर पूरी तरह से प्रभावशाली बन गया है।

(कुल 7 अंक)

(ब) रूपरेखा –

प्रदूषण : कारण और निदान

1. प्रस्तावना।
2. प्रदूषण का अर्थ।
3. प्रदूषण के कारण।
4. प्रदूषण के प्रकार।
5. दूषित पर्यावरण से बचाव।
6. उपसंहार।

कुल 3 अंक

निर्देशः– निबंध लिखते समय एवं रूपरेखा लिखते समय क्रमबद्धता भूमिका, विवेचना या वर्णन एवं उपसंहार अर्थात मुख्य भाव आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

– – – – –